शिखर 3

पाठ 6. श्यामू की चतुराई

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत कहानी में ध्वनि-प्रतिध्वनि (ईको) के प्रयोग के माध्यम से एक बालक अपनी वस्तु पुनः प्राप्त कर पाने में सफल हो जाता है। इस पाठ का उद्देश्य बच्चों को यह सीख देना है कि हम जो भी काम करते हैं या किसी को कोई काम करते देखते हैं, तो इस तरह से हम प्रतिदिन कुछ नया सीखते रहते हैं। जो भविष्य में ज़रूरत पड़ने पर हमारे काम भी आ सकता है। अतः सीखने के इस क्रम को जारी रखना चाहिए।

पाठ का सारांश

श्यामू नाम के एक गड़रिये को भेड़-बकरियाँ चराते समय जंगल में एक हीरा पड़ा मिल जाता है। वह उसे बेचने जौहरी के पास जाता है। जौहरी हीरे को हड़पना चाहता है। श्यामू और जौहरी के झगड़े को सुलझाने के लिए राजा उन्हें दरबार में बुलाता है। श्यामू और जौहरी दोनों राजा के सामने अपनी-अपनी बात रखते हैं। श्यामू बताता है कि पर्वत देवता इस बात के गवाह हैं कि यह हीरा उसी का है। न्याय पर्वत देवता की गवाही पर छोड़ा जाता है। पर्वत देवता का न्याय देखने सारा नगर उमड़ पड़ता है। श्यामू अपने नाम को अंत में रखकर पर्वत देवता से सवाल पूछता है तो जवाब श्यामू के पक्ष में ही आते हैं। दरअसल, श्यामू अपने नाम को अंत में रखकर ज़ोर से बोलता था जिससे देर तक अंतिम शब्द ही पहाड़ों से टकराकर गूँजते रहते थे। पर्वत देवता का न्याय देखकर राजा ने फ़ैसला श्यामू के पक्ष में ही सुनाया। अंत में ईमानदारी की ही विजय हुई।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि बनाएँ। बच्चों को 'ईको' के बारे में समझाएँ। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पूछें—

- उन्हें यह कहानी कैसी लगी?
- यदि श्यामू को प्रतिध्वनि का खेल न आता होता तो वह अपना हीरा कैसे प्राप्त कर पाता?
- यदि आप श्यामू की जगह होते तो क्या करते?
- कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।
- बच्चों को समझाएँ कि मुसीबत के समय घबराना नहीं चाहिए बल्कि सूझ-बूझ से समस्या का हल ढूँढ़ना चाहिए।
- उन्हें समझाएँ कि दूसरों की वस्तुओं को उनसे पूछकर प्रयोग करना चाहिए तथा झूठ नहीं बोलना चाहिए।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।

निर्भीक बनो (केवल पढ़ने के लिए)

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।